लौकिक साई बाबा - प्रतिलेख ०३.०६. २०१४

मॉस घाटी में

हम लौकिक साईं बाबा का आह्वान करते हैं और आज हम से बात करने के लिए उनका स्वागत करते हैं|

“ मैं लौकिक साईं बाबा हूँ और आज यहाँ आने पर मैं बहुत प्रसन्न हूँ - मुझे आप सब को सम्बोधित करने में बड़ी प्रसन्नता हो रही है और मैं चाहता हूँ कि आप यह जानें कि मैं इस सुअवसर की सरहाना करता हूँ| तो आप सब का धन्यवाद|

पिछले दिनों काफी अस्तव्यस्ता रही है ... ... और यह वस्तुत: पहले वाले सूर्य व उससे निकलता हुआ श्रुति-प्रकाश, उस अग्नि से आता है जो कुलांच करती हुई, उस सीमा तक भड़क जाती है जहाँ खगोलज्ञ सरलता से देख पाते हैं और यह मई महीने के आरम्भ में से बहुत सक्रिय पाया गया है|

सौर अग्नि, विद्युत चुम्बकत्व ऊर्जा बहार की ओर भेजती है जो पृथ्वी तक पहुँचने का अपना रास्ता बना लेती है | और क्यूंकि आप विद्युन्यय जीव हैं, यह आपको प्रभावित करती है | यह इस गृह में सभी चीज़ों को प्रभावित करती है |

इसे बहुत सरलता से नहीं लिया जाता परन्तु...इस गृह पर रह रहें अधिकतर लोग इसे स्वीकारते नहीं हैं| और इस लिए यह बहुत से लोगों के लिए कठनाई का समय रहा है, किन्तु मैं आप सब को सूचित करना चाहूंगा कि समय में नरमी आ रही है और ऊर्जा अब स्थिर होती जा रही है| लोग अब जेल्दी से द्रवित नहीं होंगे | क्योंकि विद्युत चुम्बकत्व ऊर्जा ही इस पृथ्वी और उसके आस पास के जगहों को द्रवित करती है|

मैं यह कहना चाहूंगा कि सब कुछ आगे कि ओर अग्रसर हो रहा है - कभी चीज़ें और ख़राब हो जाती हैं- और कभी बहुत अच्छी- यदि आप पीछे कि ओर पलट कर देखते हैं और मापते हैं तो पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं|

यह बहुत ही सरलता से सुनी या समझी नहीं जा सकती है, किन्तु ऊर्जा को मापा जा सकता है और ऊर्जा सब कुछ है - मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ - सब ऊर्जा है| लोग और उनका श्वास लेना एक ऊर्जा है -यह गृह भी ऊर्जा है - जो भी इस पृथ्वी पर है सब ऊर्जा है|

हर एक के माप लेने का अलग अलग स्तर है - और यह माप चेतना को ऊपर की ओर उठा रहा है - और चेतना विकसत हो रही है| और यह सब देखकर हम बहुत प्रसन्न हैं, हालाँकि यह बहुत कठिन है, हम यह सब समझते हैं|

परन्तु कृपया मेरा विश्वास करें- जब मैं कहता हूँ कि पृथ्वी आगे कि ओर अग्रसर हो रही है - वह एक भी बार कभी रुकी नहीं और वह उस जगह की ओर जा रही है जहाँ पर उसका सूर्य के तत्व के साथ एकत्रीकरण होगा और यह हो चुका है- सब के सृजनकर्ता के स्रोत से आती हुई ऊर्जा इस पृथ्वी पर हर एक के चेतना का उठान कर रही है|

धन्यवाद मेरे बच्चों| धन्यवाद| जाने से पहले मैं उन सब खूबसूरत लोगों को

आशीर्वाद देना चाहूंगा जिन्होंने मुझे इ-मेल भेजे हैं| इनमें उनके कृतिज्ञता के शब्द और चिंताएं हैं| और मैं उन सब को आश्वस्त करना चाहूंगा कि मैं उनके साथ हर समय रहता हूँ और जैसे ही वे मुझे पुकारेंगे मैं वहां उपस्थित मिलूंगा | तो कृपया इसे स्वीकार करें और भरोसा रखें | मैं आप सब से बहुत प्रेम करता हूँ | मैं आप सब से वादा करता हूँ कि मैं आप सब को कभी छोड़ कर नहीं जाऊँगा और आप जब भी मुझे पुकारेंगे अपने पास हैं पाएंगे | यह याद रखिये, यह याद रखिये, यह याद रखिये|

और हर एक जगह आकाश गंगा में भी|

इस के बारे में सोचिये - और आश्वासित रहें कि सभी चीज़ें आगे कि और अग्रसर हो रही हैं और शांति इस पृथ्वी पर रहने वाले हर एक व्यक्ति के समक्ष अपना मार्ग बना ही लेगी|

यह निश्चित ही होगा - यह आ रहा है- तो कृपया आशा न छोड़ें - मानवीयता बनाये रखें| मेरा इस से तात्पर्य है कि - कोई भी निपूर्ण नहीं है, किसी को तराज़ू में मत तोलो - यह समझिए कि कुछ गलतियां करते हैं- कुछ गिरते हैं - किन्तु मैं आपसे यही चाहूंगा कि आप उठें और यह जानिये कि सब के सृजनकर्ता के स्रोत से तत्परता मदद मिलेती है - और आपको सिर्फ माँगना है|

और इसके साथ मैं आप सब से विदा लेता हूँ- मैं उन सब को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने मुझे पत्र लिखे - मैं उन्हें आशीर्वाद देता हूँ| मेरे पास उनके लिए सन्देश है जो मैंने उन्हें अभी दिया है| कृपया आशावादी होना न छोड़ें - सारे मसले स्वयं ही सुलझ जाएंगे और इस पृथ्वी पर सिर्फ "सही" का राज होगा|

चेतना का विकास अत्यधिक हो रहा है - यह मैं आपसे कह चुका हूँ -लेकिन मैं चाहूंगा कि आप यह जानें जब चेतना इतनी ऊपर उठ जायेगी तो हर एक प्राणी, एक-दुसरे के साथ शांति का भाव रखेगा- हथियार को उठाने का या उसके ध्यान का भी कोई अस्तित्व नहीं होगा| यह सारी चीज़ें चेतना के उस स्तर पर मायने नहीं रखतीं|

तो सचेत रहें, इस गृह पर सर्वसमिति का शासन हो चला है - और हम यह देखकर प्रसन्न हैं कि आपके नेता भी एक दुसरे से अपनी बात चीत, समन्वय बनाने के लिए कर रहे हैं|

तो धन्यवाद मेरे बच्चों, धन्यवाद|

मैं आप सब को अपना प्रेम भेजता हूँ,

परमेश्वर आपको आशीर्वाद दें, परमेश्वर आपको आशीर्वाद दें, परमेश्वर आपको आशीर्वाद दें”| ”